

//_

Tender Heart High School, Sector 33-B, Chandigarh

Date -

Class - VI

Subject - Hindi Literature

Page 1

Subject Teacher - Ms. Roma Rani

पाठ-4 'हँसी - खुशी'

निम्नलिखित उत्तर संक्षेप में लिखो :-

(क) लेखक का कहना है कि हँसी बेर और बढ़नामी की शत्रु है और झलाई की सखी है। यह स्वभाव को अच्छा करती है। बुद्धि को निर्मल करती है। भय और दुख को मिटाती है। निरक्षा और कंगाली का बोझ कम करती है।

(ख) लेखक के अनुसार केवल मानव के पास ही हँसने-मुसकाने की शक्ति है। मानव ही खूब जोर से हँस सकता है। पशु-पक्षी को यह शक्ति ईश्वर ने नहीं दी है।

निम्नलिखित उत्तर विस्तार से लिखो :-

(क) लेखक यह समझाना चाहता है कि हँसी भीतरी आनंद का बाहरी चिह्न है। जीवन की सबसे प्यारी और उत्तम से उत्तम वस्तु एक बार हँस लेना तथा शरीर को अच्छा रखने की अच्छी से अच्छी दवा एक बार खिलखिला उठना है। हम जितना अधिक आनंद से हँसेंगे, उतनी ही आयु बढ़ेगी। हँसी-खुशी का नाम ही जीवन है। जो रोते हैं, उनका जीवन व्यर्थ है। "जिंदगी जिंदादिली का नाम है।"

(ख) कौबे के घोंसले की कहानी सुनकर बीमार मित्र हँसने लगा। लेखक कहानी बताते हुए कहते हैं कि एक बार एक डॉक्टर अपने मित्रों के साथ एक पहाड़ पर

Date- _____ Class- VI
Subject- Hindi Literature Page- 2
Subject Teacher- Ms. Roma Rani

धूम रहा था। एक चढ़ान पर उसे एक कौबे का घोंसला दिखाई दिया। उसने अपने सभी मित्रों को कहा कि हम सब दौड़ते हैं और देखते हैं कि सबसे पहले कौन उस घोंसले के पास पहुँचता है। सभी मित्र दौड़ने लगे लेकिन एक आदमी हाँफकर वहीं बैठ गया। उसे बैठा देखकर सभी मित्र हँसने लगे। कुछ समय बाद उनमें से एक मित्र बहुत बीमार हो गया, बहुत प्रयत्न किए परन्तु वह ठीक नहीं हुआ। जब डॉक्टर उसे जोर-जोर से बोल कर कौबे के घोंसले की कहानी सुनाई तो कहानी सुनकर बीमार मित्र हँसने लगा। इससे पता चलता है कि हँसी बीमारियों को ठीक करने का उत्तम साधन है।

- (ग) लेखक का मानना है कि दाल-रोटी या फल आदमी के स्वास्थ्य के लिए उत्तम होते हैं। यह खाना पचने में (हजम करने में) आसान होता है और मानव शरीर के लिए शक्तिदायक माना गया है। इसके विपरीत लड्डू, पेड़ा, कलाकंद, पूरी, कचौरी आदि कठिनाई से पचने वाले भोजन माने जाते हैं। इनमें तेल की मात्रा भी अधिक होती है। यह सेहत के लिए भी हानिकारक माने जाते हैं फिर भी हँसी में वे शक्ति हैं जो इस तरह के गरिष्ठ भोजन को भी हजम कर देती हैं इसलिए लेखक ने इन पकवानों का वर्णन किया है।

Last page.